हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 7 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

20 किलो मछली जप्त

मण्डला। 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है, जिसमें मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय एवं मत्स्य परिवहन आदि प्रतिबंधित है। बंद ऋतु में अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय एवं मत्स्य परिवहन आदि की निगरानी एवं चेकिंग हेतु विभागीय दल गठित किया गया है। 5 जुलाई 2024 को विभागीय अमले द्वारा बिछिया बाजार में अवैधानिक मत्स्य विक्रय की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान मछली बाजार से लगभग 20 कि०ग्रा० मछली की जप्ती की कार्यवाही की जाकर नीलामी की कार्यवाही की गई। नीलामी से प्राप्त राशि रूपये 1100 शासन के मद में जमा की गई।

निःशक्तजनों के लिए विशेष भर्ती अभियान, वाक इन इन्टरव्यू 17 जुलाई को

मण्डला। कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग के विशेष भर्ती अभियान के तहत निःशक्तजन के आरक्षित पदों की पूर्ति वाक इन इन्टरव्यू के माध्यम से नियुक्ति संबंधी कार्यवाही की जानी है। संबंधित निःशक्तजन आवेदक 17 जुलाई 2024 को प्रातः 11 बजे से 5 बजे तक कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग मण्डला में अपनी शैक्षणिक योग्यता, जाति प्रमाण पत्र, निःशक्तजन का प्रमाण पत्र, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाणपत्र एवं अन्य मूल प्रमाण पत्रों के साथ वाक इन इन्टरव्यू के लिये उपस्थित हो सकते हैं। आवेदक की शैक्षणिक योग्यता आठवी परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। साक्षात्कार हेतु चयन शैक्षणिक योग्यता की मेरिट एवं कार्यानुभव के आधार पर किया जाएगा। विस्तृत जानकारी उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

इन दो समस्याओं से त्रस्त है नगर

सीवरेज लाईन और सड़कों पर अतिक्रमण

*** शासन-प्रशासन दोनों हो रहे निःसहाय।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

विकास के नाम पर सड़कों का निर्माण और फिर उन सड़कों पर व्यापारियों का कब्जा, ठेले वालों की दादागिरी और वाहनों की पार्किंग ऐसी समस्या है जिससे वर्षो से नगर परेशान रहा है और आज भी है और न जाने कितने वर्षो तक यही स्थिति कायम रहेगी।

यही एक स्थिति समस्या के रूप में रहती तो भी निपटा जा सकता था उसके बाद विकास की दौड़ में सीवरेज लाईन निर्माण का काम प्रारंभ हुआ और इस निर्माण कार्य ने जो रिकॉर्ड बनाये उसे भूल पाना नगरवासियों के लिये शायद संभव नहीं होगा।

नगर की वे सड़कें जो लगभग 50 सालों से बिना किसी टूट-फूट के शानदार नजर आती रहीं उन सड़कों को सीवरेज लाईन निर्माण कार्य ने आज कहीं का नहीं छोड़ा। इसके अलावा नगर की शायद ही कोई सड़क बची होगी जिसे मटियामेट न किया गया हो।

चिलमन चौक से लेकर पुरानी डिण्डौरी नाका तक बनी सड़क को मॉडल सड़क के नाम से नवाजा गया आज इस सड़क की दुर्दशा भी लोगों को खून के आंसू रूला रही है। पूरी सड़क में छोटे-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं। बारिश के चलते ये गड्ढे तो नजर ही नहीं आते पता तब चलता जब स्वयं का वाहन हिचकोले खाना लगतार या फिर कोई दूसरा वाहन बारिश के पानी से नहलाकर निकल जाता है।

ऐसा नहीं कि इस समस्या को लेकर आवाज न उठाई गई हो लेकिन समस्या और निर्माण एजेंसी अंगद के पैर की तरह स्थापित है जो किसी से हिलाये नहीं हिल रही।

सरकारी अस्पताल के सामने वाली सड़क पर छोटे-छोटे पान टपरे चाय की दुकान के कारण हमेशा जाम की स्थिति बनती है। अंदर पार्किंग की व्यवस्था होने के बाद भी मरीजों के परिजन अपने वाहन अस्पताल के सामने खड़े कर रहे। जिससे रोज ही जाम की स्थिति निर्मित होती है। अस्पताल के पास वाली दुकानों के व्यापारी इस विषय में कई बार आवेदन दिया नगरपालिका में 181 में कंप्लेंट भी किया लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। हमेशा एंबुलेंस जाम में फसती है।

पेड़ लगाना जीवन का सबसे पुण्य कार्य-फग्गन सिंह कुलस्ते

*** डॉ.श्यामप्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती 6 जून को एक पेड़ मां के नाम अभियान का किया शुभारंभ।**

रिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला लोकसभा क्षेत्र के सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते की गरिमामई उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ माँ के नाम लगाकर मण्डला में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जंयती मनाई गई। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्राम गृह परिसर में सांसद श्री कुलस्ते के साथ भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी पूर्व जिला अध्यक्ष रोचीराम गुरवानी,जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार नगर अध्यक्ष अनुराग चौरसिया, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सूर्यकांत जंघेला, नरेश कछवाहा,विनय मिश्रा, सुदीप ब्रजपुरिया, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशीष झारिया, रानू राजपूत ने विभिन्न किस्म के पेड़ रोपित किए।

इस अवसर पर सांसद श्री कुलस्ते ने कहा की पेड़ लगाना जीवन का सबसे पुनीत और पुण्य कार्य है। मंडला जिले में जिला प्रशासन एवं वन विभाग के समन्वय से इस अभियान के तहत 20 लाख पौधे अलग-अलग स्थान पर रोपित किए जाने की योजना की गई है जिसे शीघ्र ही मूर्त रूप दिया जाएगा। एक पेड़ माँ के नाम अभियान में ने केवल राजनीतिक दल बल्कि सभी सामाजिक संगठन स्वयं सेवी संस्थाएं छात्र-छात्राएं, पत्रकार संगठन, धार्मिक संगठन, शासकीय संस्थाएं इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं यह स्वागत योग्य है श्री कुलस्ते ने कहा कि एक पौधा माँ के नाम का अभियान हम सभी की माताओं के प्रति सम्मान आदर और निष्ठा भाव है। माँ के नाम से पेड़ लगाना हमारे जीवन का पुण्य कार्य का सबसे बड़ा कर्तव्य है।जिले के पर्यावरण संरक्षण के लिये वृक्षारोपण की पहल हमारी आने वाले पीढ़ी के जीवन को सुखद ओर सुदृढ़ बनाने की दिशा का अभियान है।

औद्योगिक क्षेत्र मोहनिया पटपरा की भूमि का सीमांकन का कार्य पूर्ण

मण्डला। जिले में नवीन औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जाने के लिए ग्राम मोहनिया पटपरा में उद्योग विभाग को आवंटित भूमि का सीमांकन किया गया। आवंटित 27.02 हेक्टेयर भूमि में नवीन उद्योग स्थापित किए जाएंगे। शनिवार 6 जुलाई को उक्त भूमि के चारों दिशाओं की सीमाओं का चिन्हाकन करते हुए मौके का पंचनामा तैयार किया गया। इस दौरान उद्योग विभाग के महाप्रबंधक एवं के. वास्कले, सहा. प्रबंधक दीपक जायसवाल, लघु उद्योग निगम के सब इंजीनियर सरफराज, राजस्व निरीक्षक रामप्रकाश वरकड़े, पटवारी रीजना उइके, पूर्व सरपंच जगदीश कुराम, कोटवार तथा स्थानीय लोगों की उपस्थिति में भूमि के सीमा चिन्ह से अवगत कराया गया।

एफएलएन कोर टीम की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मिशन अंकुर के अंतर्गत कक्षा 1 से 3 के सभी बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्राप्त करने की मुहिम प्रारंभ की गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में 5 एवं 6 जुलाई 2024 को जिले की एफएलएन कोर टीम की बैठक सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में डाइट, जिला शिक्षा केंद्र, जिला शिक्षा कार्यालय तथा चयनित शालाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में जिला स्तर से बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्राप्त करने से सम्बंधित समस्याओं से चर्चा एवं वार्षिक कार्ययोजना बनाई गई जिससे जिले के सभी कक्षा 1 से 3 के बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्राप्त किया जा सके।

पुलिसकर्मियों के लिए पुलिस कंट्रोल रूम मण्डला में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

आज दिनांक 06/07/2024 दिन शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम मण्डला में पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के सफल संचालन हेतु जिला चिकित्सालय मण्डला से आरएमओ डॉ. प्रवीण उइके की टीम जिसमें डॉ मोहसिन मंसूरी, डॉ हेमेन्द्र चौहान (मेडिकल ऑफिसर), डॉ मेघा पटेल (मेडिकल आफिसर), डॉ. शिवम पटेल, डॉ. नेहा गहलोद (दंत चिकित्सक), डॉ निदा आफरीन फिजियोथेरेपिस्ट चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की मेडिकल टीम द्वारा एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराते हुए काउंसिलिंग भी की गई।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर भुआबिछिया में वृक्षारोपण

भुआबिछिया। नगर के मुक्ति धाम में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर वृक्षारोपण किया गया। शासन के निर्देश पर सहकारिता दिवस पर सहकारी समितियों द्वारा वृक्षारोपण एवं संरक्षण कार्यक्रम के पालन पर शनिवार को वृक्षारोपण किया गया। जिसमें पीपल, सीताफल, करंज के छायादार, फलदार वृक्षों का रोपण कार्य किया गया। इस अवसर पर सहकारी बैंक प्रबंधक आर आर पन्द्रो, पूर्व प्रबंधक पी एल दीक्षित, प्रशासक संध्या जाधव, पूर्व मंडी अध्यक्ष सुनील नामदेव, सहकारी समिति प्रबंधक प्रदीप लोध, मुकेश सोनी, राम प्रसाद कार्तिकेय, प्रणव लोध, वरिष्ठ समाजसेवी आर आर परस्ते, पार्षद त्रिवेणी तेकाम, पूर्व पार्षद नरेंद्र धुर्वे, सुनील गर्ग, सौरभ अग्रवाल, सत्येंद्र ठाकुर, चेतराम धुर्वे, लवकेश शुक्ला, राहुल राजपूत, सहित अन्य कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रयास | **भूमिहीन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास।**

कुपोषण को मात देती पोषण वाटिका

*** जैविक तरीके से तैयार हो रही पौष्टिक हरी सब्जियाँ।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मण्डला जिले के विकासखंड मोहगांव के अंतर्गत ग्राम पंचायत कौवाडोंगरी के सकरी में स्वयं सहायता समूह सफेद पलाश की दीदियों ने भूमिहीन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बच्चों में व्याप्त कुपोषण को मात देने के लिए सामुदायिक पोषण वाटिकाएं तैयार की गई है, जिससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्तर में सुधार आएगा बल्कि बच्चें भी कुपोषण से मुक्त हो सकेंगे। कुपोषित बच्चों के स्वजनों को वाटिका से पौष्टिक हरी सब्जी का लाभ मिल सके।

समूह की दीदियों ने बताया कि वर्ष 2022 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत सामुदायिक पोषण वाटिका उप योजना के तहत ग्राम सकरी में सहायता समूह की 15 महिलाओं द्वारा 5 एकड़ सामुदायिक जमीन पर सामुदायिक पोषण वाटिका के निर्माण स्वीकृत किया गया। जिसका उद्देश्य ग्राम की सामुदायिक बंजर भूमि को पहचान कर उसके भूमि प्रबंधक के सिद्धांत से उपयोग में लाने का प्रयास करना है। समूह की दीदियों ने बताया कि इस बंजर भूमि पर मनरेगा के सहयोग से फलदार पौधारोपण स्वीकृत कराया गया और औसतन 200 आम, 180 नींबू, 150 अमरूद, 100 बांस और 80 नीम के पौधे लगाए गए। पौधों के बचाव के लिए सीपीटी की खुदाई भी की गई। मनरेगा के सहयोग से इस भूमि पर जल संग्रहण के अंतर्गत 10 10 7 का जल कुंड का भी निर्माण कराया गया जिससे सिंचाई में सहायता हो सकी।

आधुनिक खेती से महिलाओं की आय में हुई वृद्धि

सामुदायिक पोषण वाटिका का सफेद पलाश महिला संगठन के 15 सदस्यी स्व सहायता समूह को सौंपा जाएगा। समूह की दीदियों ने बताया कि मनरेगा के सहयोग से आधुनिक खेती की जा रही है। तरबूज, हल्दी, अदरक आदि की मल्टीलेयर आधुनिक खेती की जा रही है। 15 सदस्यी स्व सहायता समूह की दीदियों ने खेती में उपयोग करने के स्वयं जैविक खाद बनाते हैं जिसमें केंचुआ खाद, यूनिट और गोबर खाद का भी प्रयोग फसल में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आधुनिक खेती से औसतन 30 हजार से 40 हजार की कमाई हो जाती है साथ ही चना, मटर, मेथी भाजी, टमाटर, भाटा आदि खेती से उनकी आय में वृद्धि और पोषण में बढ़ोतरी हुई है। सामुदायिक पोषण वाटिका से ग्रामवासियों को रसायन से मुख्य जैविक तरीके से तैयार पौष्टिक हरी सब्जी अन्य फसल का लाभ मिल पाया है जिससे उनका स्वास्थ भी बेहतर हो पाया है।

डी.एफ.ए. मण्डला की जूनियर अंडर-17 बालिका फुटबॉल टीम सिंगरौली के लिए रवाना हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के द्वारा ज़िला सिंगरौली में अंतर ज़िला ओपन जूनियर बालिका अंडर -17 फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 07 जुलाई 2024 से 13 जुलाई तक किया जा रहा है। पंकज उसराठे ने बताया की इस प्रतियोगता में मध्यप्रदेश के पाँच ज़िले मंडला, सिंगरौली, हरदा, रायसेन, छिन्दवाड़ा, ज़िले भाग ले रहे है । ये सभी टीमे लीग मैच खेलेंगी, मैच के दौरान अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को 14 जुलाई से 25 जुलाई 2024 तक सिंगरौली मैं नेशनल कैम्प लगाया जायेगा। अंडर-17 जूनियर बालिका फुटबॉल टीम को अच्छे प्रदर्शन करने के लिये ज़िला फुटबॉल संघ अध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा, फुटबॉल संघ सचिव अनिल सोनी, खेल अधिकारी रविन्द्र ठाकुर , फुटबॉल संघ के सदस्य- राजेश पाठक, भीष्म द्विवेदी, सत्य नारायण अग्रवाल, सुनील सराफ, प्रिया नाडकर्णी, शैलेश दुबे, मतीन ख़ान, पुरूषोत्तम उसराठे, कैलाश राज, समीर बाजपेयी, जावेद ख़ान, रुपेश असरानी, संदीप कछवाहा, राजीव धुर्वे, कुशल भवेदी, आकाश खत्री, त्रिलोक डोंगरे, पवन नंदा, देवेंद्र सरोते, प्रथम चौकसे, अभिषेक सभी ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की ताकि ये खिलाड़ी जिले का नाम रोशन कर सकें।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री के मन की बात आयोजन में माँ के नाम एक पेड लगाने के किया प्रेरित

गाडरवारा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 111 वें एपिसोड में लोगों से अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाने के लिये प्रेरित किया गया। बताया जाता है कि देशवासियों के लिये की गई मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया था और लोगों से यह आग्रह किया कि वे जोर शोर से इस अभियान का हिस्सा बनें। इसके चलते अब इसका असर संपूर्ण देश में दिखाई दे रहा है और लोग पर्यावरण के रक्षा के लिये अग्रसर होते हुये दिखाई दे रहे है। इसी क्रम में बीते हुये दवस जनपद पंचायत चीचली द्वारा ग्राम पंचायत सूखा खैरी, पलेरा, बारहा बड़ा, दुरसुरु, कुडारी एवं समस्त पंचायत में अभियान चलाया जा रहा है। जिसमे जनपद पंचायत चीचली की समस्त पंचायत में 10 हजार पौधों का लक्ष्य रखा गया है। वही जनपद सीओ श्री डीआरउईक द्वारा बताया गया है की यह कार्य निरंतर जारी रहेगा इसमे पूर्व जनपद अध्यक्ष मुकेश मरैया, जनपद पंचायत मुख्य कार्य पालन अधिकारी धनाराम उईके, भाजपा नेता हरिशंकर कौरव, सहायक यंत्री राजन धुर्वे, उपयंत्री शीतल कौरव, निलिमा गिरिया, व्ही एस ए अभिषेक कौरव, दिनेश श्रीवाससस, सूरज कौरव पंचायत के अनेक लोगों की मौजूदगी में पौधारोपण किया गया।

कहीं लोग अपने बच्चों की जिन्दगी खतरें में तो नहीं डाल रहे

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि रेल्वे स्टेशन पर जब कोई ट्रेन खड़ी होती है और लोग जल्दी निकलने के चक्कर में अपने बच्चों सहित ट्रेन के नीचे से निकलने लगते है या फिर वह उसके सामने से ही निकलने लगते है? कभी कभी स्थिति तो यह तक देखी जाते हे कि जब ट्रेन धीमी गति से निकलती है तो लोग अपने बच्चों के साथ उसके सामने निकलने से तक बाज नही आते है, वही स्टेशनों के इर्द गिर्द सामन बेचने वाले बच्चों को भी अक्सर देखा जाता है कि वह अपना समान जल्दी बेचने के चक्कर में जब ट्रेने खड़ी होती है तो दूसरी ओर से समान बेचने के चक्कर में अपनी जिन्दगी को पूर्णरूप से खतरे में डाल देते है। इस स्थिति में कभी भी कोई हदासा घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है? यदि गौर किया जावे तो मगर एक बार की उनकी यह गलती बच्चों की आदत में सदा बन जाती है, और यही गलती उन मासूम बच्चों की जिन्दगी के लिए एक दिन खतरा बन जाती है, मगर इसके लिए दोषी कौन होता है? इसके जिम्मेदार भी हम ही होते है, क्योंकि इस प्रकार की गलत आदते हमें ही डालते है, इस लिए सभी बच्चों के अभिभावकों को इस प्रकार गलत आदतों से बच्चों को रोकना जरूरी है।

नीम हकीमों की हुकूमत के आगे प्रशासन बना उदासीन, आम लोगों की जिन्दगी से खिलवाड़

चीचली। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों इन दिनों नीम-हकीम अनाड़ी थैला छाप चिकित्सकों की हुकूमत देखने को मिल रही है, जिनके द्वारा इलाज के नाम पर रोगियों के परिजनों से जमकर चांदी काटी जा रही है। यह पहला अवसर नहीं है कि जब इस संबंध में संबंधित विभाग का ध्यान न दिलाया गया है, इसके पूर्व भी ग्रामीणजनों से मिली शिकायतों के अनुसार जिला प्रशासन का ध्यान देने के लिए मांग की जा चुकी है, किन्तु ऐसे कथित चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही के नाम पर परिणाम सिफर ही साबित हुए हैं। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ऐसे अनेक ग्रामीण अंचलों का जायजा लिया जावे तो निश्चित तौर पर एक गॉव में ऐसे आधे दर्जनसेभीअधिकनीमहकीमथैलाछाप चिकित्सकमिलजावेंगेजोअवैधरूपसे अपनाकारोबारसंचालितकरतेहुएधड़ल्ले सेअपनीदुकानदारी कररहेहैंउल्लेखानीय हैकिजहांएकओरएकओरशासनद्वारा नगरमेंक्षेत्रकेलोगोंकोस्वास्थ्यसेवाएंप्रदान करनेहेतुतोस्वास्थ्यकेन्द्रकीस्थापनाकीगई हैमगरउसमेंचिकित्सकोंकाआभावके चलतेलोगोंकोसभीलाभनहीमिलनेका परिणामहैकिग्रामीणअपनीबीमारीके चलतेअपनी जान पर बन आते देख इन कथित नीम हकीमो से ही इलाज कराना पड़ता है।

पीड़ित ने खसरे की नकल निकलवाई थी जब पता चला था कि उसकी जमीन तो बिक चुकी है...

फर्जी तरीके से भूस्वामी की जमीन की हुई रजिस्ट्रीः मामला दर्ज

गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा आमजन के साथ धोखाधड़ी की घटनाओं को रोकने के लिये शासकीय कार्यालयों को पूर्ण रूप से डिजिटल प्रणाली से जोड़ते हुये सरकारी कामों में पारदर्शिता लाने के दावे करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। मगर वही दूसरी ओर शासकीय कार्यालयों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो चौकाने वाली सच्चाईयाँ उजागर होने से नही चूक पा रही है कि सरकारी कार्यालयों में किस तरह के गुल खिलाये जा रहे है। इस बात की सच्चाई गाडरवारा तहसील क्षेत्र में आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर भूमि स्वामी अपने घर बैठा रहता है और उसकी भूमि का विक्रय होने के साथ साथ पंजियन में बैनामा लिखे जाने के बाद राजस्व विभाग द्वारा बेनामा पास करते हुये उस भूमि का नामांतरण करने में पीछे नही रहते है...? इस सच्चाई के चलते जहां भूमि स्वामी अपनी जमीन को लेकर चिंता में देखे जा रहे है तो दूसरी ओर शासन प्रशासन तंत्र में बैठे हुये जिम्मेदारों की भूमिका सबालों के घेरे में आने से नही चूक पा रही है? इस तरह गाडरवारा तहसील क्षेत्र में घटित हुये फर्जी तौर से जमीन विक्रय व फर्जी रजिस्ट्री का मामला जो चर्चा का विषय बन गया था उसको लेकर पुलिस द्वारा पीड़ित की शिकायत पर रजिस्टार सहित क्रेता व गवाहों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम झांझनखेड़ा निवासी प्रहलाद पिता नारायण सिंह कौरव उम्र 82 वर्ष 82 वर्ष द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों को दिये गये शिकायती आवेदन पत्र में पंजीयक कार्यालय द्वारा फर्जी तरीको से जमीन की रजिस्ट्री किये जाने का आरोप लगाते हुये उल्लेखित किया गया था कि मै ग्राम झांझनखेड़ा तहसील गाडरवारा का निवासी होने के साथ मेरी ग्राम झांझनखेडा प.ह.नं. 96, नं.ब. 178 स्थित खसरा नंबर 149/1 रकवा 1.771 हे. ख.नं. 149/2 रकवा 0.761 हे., ख.नं. 149/2 रकवा 1.000 हे. कुल मिलाकर 3.522 हे भूमि है। मेरे द्वारा जब बीते हुये 3 मई 2024 को अपने खसरे की नकल निकलवाई गई तो मैने देखा गया कि मेरी शेष भूमि ख.न. 149/3 रकवा 1.000 हे मे से रकवा 0.972 हे भूमि पर सरोज बाई कौरव पत्नि दयाचंद कौरव का नाम दर्ज आ रह है। खसरा का अवलोकन करने पर पाया कि मेरी भूमि के विक्रय पत्र के आधार पर सरोजबाई का नाम दर्ज हुआ है। मैंने सरोजबाई को कोई भूमि नहीं बेची और न ही उसके पक्ष में रजिस्ट्री शुदा बैनामा निष्पादित किया। सरोजबाई ने दस्तावेज पंजीयन क्र. एमपी 268132024 ए 1428627 पंजीयन दि. 31/03/2024 द्वारा भूमि क्रय बताया है। इस बैनामे में मेरे स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति की विक्रेता के रूप में फोटो लगी है। इसके अलावा रजिस्ट्रीशुदा बैनामा में ऋण पुस्तिका कमांक एल/एन ए- 180006505 का उल्लेख है। जबकि मेरे पास मूल ऋण पुस्तिका क्र. एल/सी-737964 है। आवेदक का आरोप था कि इस प्रकार बैनामा वर्णित ऋण पुस्तिका भी फर्जी व कूटरचित तरीके से बनाई गई है। बैनामा में विक्रेता के रूप मे अंगूठा निशानी लगी है। जिसको लेकर टीप दर्ज की गई है कि वर्तमान यानि की रजिस्ट्री दिवस पर मेरे दाये हाथ में मोच है इसलिये हस्ताक्षर करने में असमर्थ हूं। इसी के चलते में बाये हाथ का अंगूठा लगा रहा हूं। यह टीप व कथन पूर्ण रूप से फर्जी व कूटरिचत है। क्योंकि मेरे बांये हाथ में कोई भी मोच नह है और आज भी मैं हस्ताक्षर कर लेता हूं। पीड़ित ने सरोज बाई कौरव एवं राजेश साहू निधि कौरव, शशि कांत कौरव एवं उप पंजीयक महेश पंवार पर अपनी शिकायत में आरोपित किया है कि इन लोगों नें मिलकर योजना बद्ध तरीके से षडयंत्र कर मेरी जमीन अवैध तरीके से हड़पने के उद्देश्य से रजि.शुदा बैनामा 31 मार्च 2024 को कूटरचित व फर्जी बनाया था मेरे साथ धोखाधड़ी की गई, तथा सभी ने मिलकर मेरे साथ छलकपट किया है। वहीं विक्रेता के रूप में अज्ञात व्यक्ति जिसकी फोटो बैनामा मे लगी हुई है उस व्यक्ति को खोजकर उसके विरूद्ध भी मामला पंजीबद्ध किया जाए। क्योकि उसने भी अपने आपको यह जानते हुए कि वह प्रहलाद कौरव नहीं है उसके बाबजूद प्रहलाद सिंह कौरव बनाकर बैनामा निष्पादित किया है। शिकायत कर्ता का आरोप है कि इस तरह फर्जी तरीके से हुई मेरी जमीन की लिखा पढ़ी गाडरवारा उप पंजीयक कार्यालय में न होकर नरसिंहपुर में किया गया है। जबकि 31 मार्च 2024 को गाडरवारा उप पंजीयक कार्यालय में पंजीयन का कार्य सुचारू रूप से संचालित हुये है। इसके बाद भी गाडरवारा की जगह नरसिंहपुर में रजिस्ट्री होना अपने आप ही इन लोगों के फर्जीवाडा का प्रमाण उजागर करने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर इस फर्जी बैनामा रजिस्ट्री में शामिल गवाह व सरोज बाई आपस में माँ व पुत्री होने के साथ मुझे अच्छे तरीकें से जानती व पहचानती है? शिकायत कर्ता द्वारा इन लोगों के खिलाफ जिला पुलिस अधीक्षक से सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई थी। इस तरह पीड़ित क शिकायत के चलते अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को ध्यान मं देते हुये जांच उपरांत पुलिस ने फर्जी तरीके से हुई जमीन की रजिस्ट्री को लेकर सरोज बाई कौरव, शशिकांत पिता दयाचंद कौरव, राजेश पिता रोशन लाल साहू, निधी कौरव, मोहन गुर्जर व उप पंजीयक महेश पावर के खिलाफ धारा 419, 420, 467, 468, 34 आई पी सी के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। इस तरह फर्जी तौर से हुई जमीन को लेकर खरीदार से लेकर गवाह व जमीन की रजिस्ट्री करने वाले अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि पीड़ित द्वारा दिये गये आवेदन के बाद लगभग दो माह तक चली जांच उपरांत दर्ज हुये मामले में सिर्फ यह लोग दोषी नजर आये..? जबकि मामले की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस तरह फर्जी तौर से जमीन की रजिस्ट्री होने के उपरांत इसका बैनामा पास होने के साथ नामांत्रण तक हो चुका था जो राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया था..? जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि जब किसी भी जमीन का विक्रय होने के बाद राजस्व विभाग द्वारा नामांत्रण किये जाने के लिये बैनाम पटवारी के माध्यम से अधिकारी तक पहुंचता है और और नियम के अनुसार राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा दोनो पक्षों की ओर से जमीन के विक्रय व खरीदी संबंधी संतुष्टी प्राप्त करने के बाद ही किसी भूमि का नामांत्रण करते है? वही दूसरी ओर जिस हल्का में जमीन स्थित रहती है। वहा पर पदस्थ पटवारी जिसका जमीन के नामांत्रण में अहिम भूमिका होती है वह जमीन के क्रेता विक्रता को अच्छी तरह से जानता व पहचानता है। मगर इस मामले में पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही में निश्चित तौर से राजस्व विभाग को पूर्णरूप से अभयदान मिलते हुये नजर आने से नही चूक पा रहा है? भले ही जमीन के फर्जीवाडे को लेकर पुलिस द्वारा आधा दर्जन अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मगर इसके बाद भी इस फर्जीवाडे की जांच को लेकर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है?

चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश का फैसला, हत्या के दोषियों को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

गाडरवारा। निश्चित तौर से भले हे आरोपी अपने आपको बचाने के लिये कितने प्रयास क्यो न कर ले जब मामला विद्यवान न्यायाधीश के समक्ष पहुंचता है तो वहां पर दूध का दूध व पानी का पानी होने से नही चूकता है और आरोपी को अपने किये गये कर्मो का फल भोगना पड़ता है। इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस स्थानीय न्यायालय में देखने मिली जब चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश सूरज सिंह राठोड द्वारा हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास सहित अर्थ दंड की सजा से दंडित किये जाने का निर्णय सुनाया गया। इस मामले में पीड़ित को न्यायालय दिलाने के लिये शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी द्वारा पैरवी की गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि समीपस्थ पुलिस थाना करेली के अंतर्गत ग्राम टिकटोली निवासी श्रीमती आरती बाई रजक ने 19 फरवरी 2022 थाना करेली में सूचना लेख करायी थी कि ग्राम टिकटोली हार में उसके खेत से गांव के मोतीलाल रजक का खेत लगा हुआ है दोनों के खेत के बीच मेढ़ फरियादी की हद में है जिसे मोतीलाल रजक एवं उसका भाई मंजू उर्फ मनोज रजक लगभग 4—5 साल से खोद - खोद कर अपने खेत में मिलाते जा रहे हैं जिस कारण उन लोगों से झगड़ा विवाद होकर बुराई चल रही है और तभी से मोतीलाल रजक व मंजू उर्फ मनोज रजक फरियादी एवं उसके पति रतन रजक को मारपीट करने के लिए ताक में रहते है। वही 19 फरवरी 2022 को शाम 4 बजे के लगभग फरियादी अपने पति रतन एवं लड़की खुशबू के साथ अपने खेत वाले घर से पैदल अपने ककिया ससुर शिवराज रजक से मिलने उनके घर ग्राम टिकटोली जा रहे थें। मगर जैसे ही वे लोग मोतीलाल रजक के घर के सामने पहुंचे उसी समय मोतीलाल व मंजू उर्फ मनोज हाथों मे लाठी लेकर आ गये और रतन रजक का सामने से रास्ता रोककर दोनों रतन को जान से मारने की नियत से लाठियों से मारपीट करने लगे। मारपीट से रतन के दोनों हाथों एवं दोनों पैरों में गहरी चोटें आयी। उक्त सूचना के आधार पर थाना करली में अपराध क्रमांक 00/22 धारा 341,294,307,506,34 भा.द.वि. के मामला दर्ज करते हुये जांच में लिया गया था। मगर इलाज के दौरान मेडीकल कालेज जबलपुर में रतन रजक की मृत्यु हो गई। जिसके चलते पुलिस द्वारा इस मामले को धारा 341,294,307,506 34 भा. द. सं. का कायम कर विवेचना में लिया गया और धारा 302 भा.द.सं.के अपराध की अभिवृद्धि करने के बाद मामले का अंतिम प्रतिवेदन मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां पर न्यायालय में इस मामले की सुनवाई ककरते हुये प्रकरण में आयी साक्ष्य एवं अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी के तर्कों के आधार पर चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश मा सूरज सिंग राठोड़ द्वारा मोतीलाल रजक एवं मंजू उर्फ मनोज रजक को धारा 302/34 भा.द.वि. में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास सहित दस दस हजार रुपये के अर्थदंड तथा धारा 341भा.द.वि. में 500, 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किये जाने की सुजा सुनाई गई।

शिक्षा विभाग की व्यवस्थायें प्रभारी भरोसे तो फिर कैसे सफल हो पायेगा स्कूल चलो अभियान...?

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुये शिक्षा के क्षेत्र में पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है और स बात की सच्चाई हाल ही मे प्रदेश की सरकार द्वारा पेश किये गये बजट में उजागर कर दिया गया है कि शिक्षा को लेकर धन की कमी नही आने दी जावेगी। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब शिक्षा विभाग के अनेक पद खाली होने के साथ उनकी जिम्मेदारिया यदि प्रभारियों के भरोसे चलती रहेगी तो फिर क्या शासन का स्कूल चलो अभियान सफल हो पायेगा..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो शिक्षा विभाग का स्कूलों में नया सत्र प्रारंभ हो चुका है। लेकिन प्रमुख माने जाने वाले पद जिस तरह से प्रभारियों के भरोसे चलते हुये देखे जा रहे है वही चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? इस बात की सच्चाई जनपद शिक्षा केंद्र साईंखेड़ा में देखी जा सकती है जहां पर शिक्षा विभाग की व्यवस्थाएं चल रही है। बताया जाता है कि विधानसभा चुनाव के पहले ही राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देश पर जिले मे एपीसी एवं बीआरसी के रिक्त पदों पर पात्रता परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसके आधार पर चयनित शिक्षक पदांकन होने का इंतजार कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारी प्रभारियों के हाथों में देते हुये चयनित हुये पात्र लंबे अरसा बीत जाने के बाद भी इंतजार करते हुये देखे जा रहे है उनके पदांकन आदेश जारी नही हुए है। पहले आचार संहिता के नाम पर पदांकन नही हुए अब नए सत्र में भी आदेश जारी न हो पाना जिला शिक्षा केन्द्र की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह करने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर इस तरह की मनमानी राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशों को भी अव्हेलना करने से नही चूक रही है। चूंकि बीआरसी कार्यालय में अनेक कार्य है इस तरह के होते है जो समय पर पूर्ण करने जरूरी होते है। मगर इस स्थिति में प्रभारी के भरोसे व्यवस्था होने से शासन की मंशा पर पानी फिरने की संभावना पैदा करने के साथ साथ चहतों को लाभ देने की ओर संकेत देने से नही चूक रही है? अब सबल यह पैदा हो रहा है कि जब पात्रता परीक्षा में सफल लोगों की जगह इस तरह अपने चेहतों के हाथों में बागडोर देना ही थी तो फिर पात्रता परीक्षा करने की औपचारिकता क्यों निभाई गई।

किसी दिन बड़ी घटना को अंजाम दे सकते है बीच बाजार से निकलने वाले बडे वाहन

खुलरी। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को आने जाने के लिए अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की सोच रखते हुये गांव गांव पक्की सड़को का निर्माण कराया गया जा रहा है, मगर सरकार द्वारा ग्रामीणों की सुविधाओं के नाम पर सड़को के निर्माण के लिए खर्च की जाने वाली यह करोड़ो की राशि निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सियों या फिर बडे वाहन मालिकों की मनमानी के भेट चढ़ने से नही चूक रही है? बताया जाता है कि गांव गांव बनाई जाने वाली इन सड़कों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि जहां वह निर्मित होने के चंद दिनों के उपरांत टूटना शुरू हो जाती है या फिर वह बडे वाहनों की भेंट चढ़ जाने के कारण ग्रामीणों के लिए सिर्फ परेशानी का कारण ही नही बल्कि खतरे की घंटे बजाने से नही चूक रही है? क्योंकि बडे वाहन चालकों द्वारा इन पक्की सड़कों पर जिस प्रकार से अपने बडे वाहनों को दौड़ाया जाता है उसके चलते सड़कों के किनारे रहने वाले लोगों की जान खतरे में पड़ने से नही चूक रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय खुलरी में देखने मिल रही है जहां पर आये दिन गांव के अंदर से निकल रहे बडे वाहनों के चलते आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा तो हो ही रहा है मगर सबसे भयानक स्थिति इस समय निर्मित हो जाती है जब यहां पर प्रति रविवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान देखने मिलती है, क्योंकि बाजार के पास से निकला हुआ मुख्य मार्ग से जहां दूर दूर से दुकाने लेकर आने वाले दुकानदारों को यहां से निकलने वाले बडे वाहनों के चलते खतरा दिखाई दे रहा है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए लोगों द्वारा बाजार के दिन यानि की रविवार को दोपहर 1 बजे से शाम 8 बजे तक इस मार्ग से बडे वाहनों के निकलने पर रोक लगाये जाने की मांग की जाने लगी है? यदि प्रशासन द्वारा समय रहते हुए इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

पलोहा थाना क्षेत्र के अनेक गांवों में धडल्ले से चल रहा है मादक पदार्थों का अवैध कारोबार

सड़ूमर। नशे के सौदागरों नें गांव गांव अपना जाल बिछा रखा है और इसी का परिणाम है कि युवा पीढ़ी नशें कें गिरफ्त में जकड़ती जा रही है। यह बात अलग है कि आये दिन समाजसेवी संस्थाओं द्वारा नशे पर अंकुश लगाने के लिये अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। मगर वह मात्र औपचारिकता साबित होने से इसलिये नही चूकते है। क्योंकि नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त कार्यवाही करने की जगह जिस तरह याराना संबंध निभाये जाते है उसके कारण यह कारोबार कमने की जगह बढ़ते हुये क्रम में दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पलोहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में प्रति माह लाखों रूपयें का अवैध गांजा से लेकर शराब की बिक्री आम बात हो चुकी है ..? अब क्षेत्र में स्मैक जैसे जहर के कारोबार ने भी अपने पुनः पैर जमाना शुरू कर दिया गया है? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि इस समय क्षेत्र में किस मादक पदार्थ का अवैध कारोबार कौन कर रहा है इस बात की जानकारी क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों को न हो ...? मगर उनके खिलाफ कार्यवाही करने की जगह पुलिस की चुप्पी निश्चित ही अवैध रूप से मादक पदार्थो का कारोबार करने वालों को संरक्षण देने की मुद्रा में दिखाई देने से नही चूक पा रही है? सूत्रों से मिल रही जानकारियों के अनुसार पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता से क्षेत्र में मादक पदार्थो का खुलेआम अवैध धंधा चल रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जा रहा है कि क्षेत्र में अवैध रूप से हो रही गांजे से लेकर शराब व स्मैक पावडर की बिक्री का यह हाल है कि क्षेत्र कें अनेक गांव में सुलभता से युवाओं को उपलब्ध होने के कारण वह इसकी चपेट में आने से नही बच पा रहे है। वही दूसरी ओर अंचल के अनेक गांवों में अवैध कच्ची महुआ की शराब व गांजे सहित अब स्मैक पावडर का अवैध कारोबार का धंधा जमकर फल फूल रहा है? कुछ स्थानों पर तो लम्बें अर्से से अवैध कारोंबार चलते हुये देखा जा रहा है। इस बात की सच्चाई ग्रामीण क्षेत्रों के सड़को के किनारे खुलेआम शराब की खाली पड़ी हुई बोतले गुटखा के पाऊचों की तरह पड़ी हुई इस बात की सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहे है कि अब शराब गांवों में किराना दुकानों पर भी आसानी से उपलब्ध होने से नही चूक रही है? मगर इस गोरख धंधें में युवओं सहित महिलाओं के आलवा नाबांलिग बच्चें भी अब शामिल देखें जा रहे है? इस प्रकार से क्षेत्र में इन मादक पदार्थो का कारोबार बढने से कई युवाओं की जिंदगी नशें के चपेट में आते हुए देखी जा रही है। मगर जो बात कही जाती है कि इस क्षेत्र में पदस्थ होने के लिए वर्दीधारी उच्चस्तर से जोर लगाते है कि उन्हें क्षेत्र की बागडोर मिल जावे यदि उनके जिम्मे यह क्षेत्र हो जाता है तो लोग कहते है उनकी तो पांच अंगुली घी में होती है? इस बात की सच्चाई इस समय देखने को मिल रही है जिस प्रकार क्षेत्र में मादक पदार्थो बिक्री हो रही है उसी तरह से अनेक गांवों में जुआ का कारोबार में चलने की चर्चा जोरो पर है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि उच्चाधिकारियों द्वारा समय रहते इस ओर ध्यान नही दिया तो स्थिति कन्ट्रोल से बाहर होने में कोई कसर नही रहेगी।

साप्ताहिक हाट बाजार की उपेक्षा, तंबू लगाकर चला रहे दुकानदार अपनी दुकानें

सांईखेड़ा। कहने को तो धूनीवाले दादा की नगर तहसील की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत मानी जाती थी जो अब नगर पंचायत हो गई है। मगर यहां पर लोगों को सुविधाएं के नाम पर कुछ नही मिल पा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो साईंखेड़ा में लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार प्रशासनिक उपेक्षा के कारण बदहाली से गुजर रहा है। सप्ताह के हर बुधवार के दिन लगने वाले इस बाजार में आस पास के अनेक गांवों के लोग यहां पर पहुंचते है, जो अपनी जरूरत की बस्तुओं को खरीदते है। वही बताया जाता है कि बुधवार के दिन ही यहां पर मवेशी बाजार भी लगता है जिसमें दूरस्थ स्थानों से पशु मालिक अपने मवेशी लेकर आते है। परन्तु दुर्भाय की बात है कि साप्ताहिक बाजार में व्यापारियों के लिये सुविधा के नाम पर कुछ भी नही है, जो मुख्य मार्ग के दोनों ओर अपने अपने तंबू लगाते हुए अपनी दुकाने लगाते है। मुख्य सड़क के दोनों ओर बैठने वाले दुकानदार नगर पंचायत को टैक्स तो देते हैं। परन्तु उन्हे किसी भी प्रकार की सुविधा पंचायत द्वारा नही दी जाती है, जो बरसात के दिनों में बाजार में भीगते हुए तथा गर्मी के दिनों में तेज धूप की तपन के साथ अपनी दुकानदारी करने के लिये मजबूर है? इतना ही नही जिस मार्ग पर यह बाजार लगता है वह मार्ग अब सीधे प्रदेश की राजधानी से जुड जाने के कारण इस मार्ग से दिन भर भारी वाहनों का आना जाना भी लगा रहता है, जिसके कारण इन वाहनों से इन दुकानों की जान को तो खतरा बना ही रहता है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिए भी खतरा की घंटी बजती रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रति बुधवार को यहां पर लगने वाले सब्जी एवं मवेशी बाजार से नगर पंचायत को अनुमानित तौर पर कम से कम 20 हजार रूपये से भी अधिक के मान से राजस्व प्राप्त होता होगा? मगर नगर पंचायत द्वारा इनकी व्यवस्था के लिए आज तक कोई पहल नही की गई है, जिससे यह अंदाजा लग रहा है कि नगर पंचायत सिर्फ इनसे पैसा बसूलने के शिवा कुछ नही कर रही है? आमजन का मत है कि क्षेत्र के सबसे बड़े बाजार के लिये यदि अच्छा मार्केट बनाते हुए दुकानों का निर्माण किया जावे तो निश्चित तौर से सांईखेड़ा साप्ताहिक बाजार की सूरत बदल सकती थी, मगर पता नही अब तक ऐसा क्यों नही हो पा रहा है।

कबाड़ में गुम हुआ बचपन, शासन की योजनाओं पर खडे हुए सवाल

सांईखेड़ा। शहर सहित आसपास के क्षेत्र मे शिक्षा स्तर सुधारने के लिए प्रशासन द्वारा काफी प्रयास किए जा रहे है। मगर इन प्रयासों के चलते सर्वशिक्षा अभियान, स्कूल चले हम, राजीव गांधी साक्षरता मिशन के अलावा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे आंगनबाड़ी भी चलाई जा रही है। लेकिन इन सब योजनाओं के संचालित होने के बाद भी क्षेत्र में निचले तबके के लोगों तक इन सब योजनाओं का लाभ शायद पहुंच ही नही पा रहा है? फिर सारे प्रयास औपचारिकता के लिए हो रहे है, ऐसा कहा जाए तो शायद गलत नही होगा। नगर में ही इस प्रकार के दृश्य अक्सर देखने मे आते है कि गली मोहल्लों मे छोटे छोटे बच्चे कचरे के ढेरों मे अपना भविष्य ढूंढते रहते है। गली गली घूमने वाले ये बच्चे कबाड़ बीनकर कमाए पैसों को भी बुरी आदतों मे लगा देते है। यही इनका आज और शायद कल भी हो सकता है...? क्योकि इनके जिम्मेदार मां बाप ही ऐसा करा रहे है, ऐसा ही कुछ शहर के अनेक स्थानों पर देखने मिलता है, जहां 4 छोटे छोटे बच्चे हाथ मे बोरी लिए कबाड़ बीनते बीनते थककर कही भी बैठ जाते है, जिन्हे देखकर लोग यह कहने से नही चूकते है कि सरकार द्वारा जिस प्रकार से 1 से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं से प्रदेश का धन तो खर्च हो रहा है। मगर उसका लाभ इन मासूम बच्चों की जगह अधिकारियों को जरूर मिल रहा है? बच्चे कर रहे है नशा-एक पाऊच खा लिया, यहां यह भी गौरतलब है कि प्रशासन ने बच्चों को गुटका विक्रय पर पावंदी लगा रखी है, उसके बाद भी इनके हाथो मे आसानी से गुटका पाऊच पहुंच रहे है। इन बच्चों मे शामिल 8 वर्षीय एक बच्चें ने बताया कि उसके पिता भी कबाड़ बीनते है।

खबर संक्षेप

नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया गया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। प्रधानमंत्री के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के तहत '' एक पौधा मां के नाम'' अभियान का शुभारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत जिले में 06 जुलाई 2024 को प्रातः 11 बजे नगर परिषद डिंडौरी की सीमा में स्थित सांई मंदिर पहाडी डिंडौरी में नवोदय विद्यालय के द्वारा आम, जामुन, महुआ, बेल, अमरूद, अर्जुन आदि के पौधे छात्र-छात्राओं के द्वारा लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अंकुर ऐप में पौधों के साथ अपना फोटो अपलोड किए।
पौधरोपण कार्यक्रम में लक्ष खांडीलकर, आशीष मानिकपुरी, आर्थव मानिकपुरी, पारस यादव, कान्हा झारिया, विजय बडगैंया, यश कोल, अजय साहू, जर्नाधन बोरकर शिक्षक शामिल रहे।

केन्द्रीय विद्यालय प्रांगण में किया गया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के तहत ''एक पौधा मां के नाम'' अभियान का शुभारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत जिले में 06 जुलाई 2024 को प्रातः 11 बजे नगर परिषद डिंडौरी की सीमा में स्थित शारदा टेकरी डिंडौरी में केन्द्रीय विद्यालय के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के तहत एक पौधा मां के नाम अभियान पर केन्द्रीय विद्यालय प्रांगण व पहाडी पर आम, जामुन, महुआ, बेल, अमरूद, अर्जुन आदि के पौधे छात्र-छात्राओं के द्वारा लगाए गए। जिसमें शिक्षक मेघा शर्मा, दिनेश के साथ-साथ छात्र-छात्राओं ने पौधे रोपण किया और अंकुर ऐप में अलग-अलग पेड़ के साथ फोटो अपलोड की गई।

जिले में 06 जुलाई तक 288.8 मि.मी. औषत वर्षा दर्ज की गई

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। अधीक्षक भू-अभिलेख जिला डिंडौरी ने बताया कि 06 जुलाई 2024 तक डिंडौरी जिले में 288.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। दैनिक वर्षा की जानकारी प्रपत्र अनुसार 06 जुलाई 2024 तक डिंडौरी में 270.4, अमरपुर में 228.0, समनापुर में 166.0 बजाग में 249.0, करंजिया में 291.2 शहपुरा में 303.6 मेंहदवानी में 513.3 मि.मी. वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है।

भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक में शामिल होंगे भाजपा जिलाध्यक्ष व संगठन पदाधिकारी

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त जी शर्मा के आह्वान पर पार्टी का एक दिवसीय विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 07 जुलाई 2024 (रविवार) को रवींद्र भवन सभागार, भोपाल में आयोजित की जाएगी। कार्यसमिति की बैठक डिजिटल रजिस्ट्रेशन के बाद प्रातः 11.00 बजे प्रारंभ होगी। विभिन्न सत्रों की इस विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव जी, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह एवं सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी सहित केंद्रीय मंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन आपको प्राप्त होगा।

जिला चिकित्सालय का अपर कलेक्टर ने लिया जायजा

अनूपपुर। अपर कलेक्टर अमन वैष्णव ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय परिसर में स्थित नवीन भवन का जायजा लिया तथा मुख्य मार्ग की ओर रोगी कल्याण समिति के माध्यम से दुकानों का निर्माण कराए जाने के निर्देश दिए।

तत्कालीन सहायक आयुक्त को कोर्ट के समक्ष पेश होने की अंतिम मोहलत

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। अपने कार्यकाल के दौरान आदिवासी विकास विभाग डिंडोरी में शासकीय राशि मे हेरफेर के आरोपी तत्कालीन सहायक आयुक्त पर अब अदालत ने भी कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। लगभग चार माह से फरार चल रहे आरोपी अमर सिंह उइके को पेश होने अदालत ने अंतिम मौका दिया है। न्यायालय से जारी उदघोषणा नोटिस के मुताबिक 13 अगस्त 2024 तक आरोपी अमर सिंह पिता रामकृपाल उइके के हाजिर नहीं होने की दशा में आरोपी की पूरी संपत्ति जप्त की जावेगी और कुर्की कार्रवाई का रास्ता साफ हो जावेगा।
गौरतलब है कि सहायक आयुक्त अमर सिंह उइके के कार्यकाल में आदिवासी विभाग में 25 फरवरी से 2019 से 21 जनवरी 2021 तक की अवधि में भारी वित्तीय अनिमिताओं का मामला प्रकाश में आया था।लोकायुक्त जांच में यह घोटाला 2 करोड़ 59 लाख का पाया गया था। जिसके मद्देनजर कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर वर्तमान सहायक आयुक्त डॉ. संतोष शुक्ला ने तत्कालीन सहायक आयुक्त अमरसिंह उइके के विरूद्ध कोतवाली डिंडौरी में 21 फरवरी 2024 को धारा 420,409 और 34 के तहत मामला दर्ज करवाया था।

अपने विरुद्ध मामला दर्ज होने की भनक पाते ही आरोपी अमरसिंह अपने पदस्थापना स्थल सिवनी जिले से फरार हो गया था। जो एक आदतन अपराधी की तरह अब तक पुलिस से भाग रहा है। उच्चाधिकारी के पद पर रह चुके अमर सिंह की पतासाजी हेतु पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहिनी सिंह के निर्देश पर कोतवाली प्रभारी अनुराग जामदार संभावित जगहों पर आरोपी की तलाश हेतु टीमें भी रवाना की थीं। दर्जनों बार दबिश देने के बाबजूद आरोपी फरार होने में सफल हो जाता है। लगातार पुलिस से भागने और छुपने की दशा

में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चंदन सिंह चैहान ने आरोपी की हाजिरी की अपेक्षा करते हुये दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 82 के तहत उदघोषणा जारी की है। जिसमे उल्लेख है कि थाना डिंडोरी में दर्ज अपराध क्रमांक 128/24 धारा 420,409 और 34 से संबंधित मामले में आवेदन पेश किया गया है। आरोपी को 13 अगस्त 2024 तक हाजिर होने की अंतिम चेतावनी दी गई है। इस बीच पुलिस ने आरोपी की संपत्ति की जानकारी जुटा ली है। जिन सात बैंक खातों के माध्यम से हेरफेर के इस अपराध को अंजाम देने के आरोप हैं, उनमें अनुसूचित जन जाति (ट्राईबल) राज्य छात्रवृति योजना, अनुसूचित जाति राज्य छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति योजना, रेडक्रास मद, क्रीडा मद, भारत स्काउट एवं गाईड योजना के बैंक खाते हैं। आरोप है कि इन्हीं बैंक खातों के माध्यम से छल पूर्वक विभिन्न व्यक्तियों एवं संस्थाओं, दुकानदारों को आहरण भुगतान कर शासकीय राशि का गबन किया गया है। पुलिस ने सभी खाते सीज की कार्रवाई पूर्व में ही पूरी करके शाखा प्रभारियों से भुगतान प्रक्रिया से जुड़े अभिलेख जप्त कर लिये हैं।

-पुलिस के हाँथ खाली

अपने पद का दुरुपयोग करके शातिराना अंदाज में सरकारी राशि मे करोड़ों की सेंदमारी करने वाले सहायक आयुक्त अमर सिंह उइके की तलाश में पुलिस टीमों ने जबलपुर, सिवनी, नागपुर, चंद्रपुर, शहडोल, उमरिया, भोपाल सहित नौ जगहों पर दर्जनों बार दबिश दी है। लेकिन हर दफा पुलिस खाली हाँथ ही लौटी है। इससे पुलिस की किरकिरी हो रही है ।

-भोपाल में भी चल रही कार्रवाई

अनुमानित तौर पर लगभग 5 करोड़ के इस हेरफेर की जांच हेतु विभाग ने अपने स्तर पर भी जांच शुरू कर दी है और संदिग्ध विभागीय अमले और फर्म संचालकों को 27 जून को भोपाल कार्यालय में तलब करके पूछताछ की गई थी। इस बावद भोपाल में स्थित आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सतपुड़ा भवन ने संबंधितों को हाजिर होने नोटिस भी जारी किया था। आदिवासी विभाग ने जिन 10 कर्मचारियों को पेश होने के निर्देश जारी किये थे, उनमें एक का ट्रांसफर रतलाम हो चुका है। अपर आयुक्त और जांच अधिकारी सरोज चैकसे कार्यालय कमिश्नर जनजातीय कार्य सतपुड़ा भवन भोपाल ने कृष्णा टूर एंड ट्रेवल्स, अनुराग ट्रेडर्स, आलोक शर्मा, मीनाक्षी ट्रेडर्स, वैभव ट्रेडर्स, नीलेश नामदेव, मां रेवा टूर एंड ट्रेवल्स, नितिन ग्लास हाउस, मां नर्मदा ट्रेडर्स सहित विभाग के दस नुमाइंदों पी एल कोकड़िया स्थापना प्रभारी, राजेश मरकाम छात्रवृत्ति प्रभारी, पी एस राजपूत क्रीड़ा, स्काउट प्रभारी, महेंद्र ठाकुर, दुपद्र कुमरे, अंगद कुशवाहा, नीरज पाठक, प्रशांत दुबे, रणजीत धुर्वे लेखापाल, जयदीप कछवाहा राहत शाखा प्रभारी को भोपाल तलब किया गया था। जिनमे अंगद कुशवाहा का स्थानांतरण आदिवासी विभाग रतलाम में हो चुका है।

वन विभाग के द्वारा रोपित किए गए 1000 पौधे

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की गयी है। एक पेड़ लोगों की जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। ताकि पर्यावरण स्वच्छ बना रहे। पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। जब हर एक व्यक्ति एक-एक पौंधा लगाए और उसकी

सुरक्षा के लिए संकल्प लें। इसी कड़ी में डिंडौरी जिले में जिला प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रगति पर है एवं धरा को समृद्ध बनाने के लिए जिले के नागरिक उत्साह के साथ पौंधो का रोपण कर रहे है।
डी एफ ओ साहिल गर्ग ने बताया कि शारदा टेकरी को तीन साल के लिए वन विभाग ने टेक ओवर किया है। चारों तरफ फेंसिंग कराई जा रही है। आज लगभग 1000 पौधे आम, नीम, बरगद, पीपल के लगाए गए। उन्होंने बताया कि शारदा टेकरी में तीन साल में होगा 05 हजार पौधरोपण किया जाएगा। इसी कड़ी में डीएफओ सामान्य साहिल गर्ग ने पीपल, डीएफओ उत्पादन हरिओम ने नीम, सुरेन्द्र जाटव आंवला, एसडीओ पंकज ने आम का पौधा रोपित किए। पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूहिका अदा किए।

जिला प्रशासन के प्रयासों से गाँव गाँव तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवायें

-जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित हुए "रेवा हेल्थ कैंप"

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार जिले में "रेवा हेल्थ कैंप" का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज आयोजित रेवा कैंप के दौरान वार्ड नं. 03 डिंडौरी में, वार्ड नं. 14 शहपुरा, ग्राम पंचायत नुनखान जनपद पंचायत बालपुर रैयत में, ग्राम पोंड़ी जनपद पंचायत समनापुर में, ग्राम पंचायत रामगढ़ जनपद पंचायत अमरपुर में तथा ग्राम पंचायत अमठेरा जनपद पंचायत शहपुरा में लोगों ने स्वास्थ्य सेवा का लाभ लिया। प्रति शनिवार को आयोजित होने वाला रेवा शिविर के माध्यम से महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग के संयुक्त प्रयासों से स्वास्थ्य सेवायें गाँव गाँव तक पहुंच रही है।
आयोजित रेवा हैल्थ कैंप के दौरान 825 लोगों ने उपस्थित हुए जिसमें से 13 कुपोषित बच्चे, 2 सिकल सेल, 1 गर्भवती महिला चिन्हित किए। 348 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यकतानुसार को दवाईयां वितरण किए गए एवं 150 लोगों को आयुष विभाग से लाभान्वित किया गया।
रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण निवारण के लिए पोषण प्रदर्शन, शारीरिक माप सेरेपल्स पावडर वितरण किया जा रहा है।जिसमें बच्चों के आयु के अनुसार उचित वृद्धि ना होना, उनमे पोषक तत्व की कमी को प्रदर्शित करता है, बच्चों को चिन्हित करने में बाद आंगनबाडी

कार्यकर्ताओं द्वारा निरंतर फॉलोअप लिया जाता है जिससे बच्चे सैम श्रेणी से मैम श्रेणी, मैम श्रेणी से सामान्य श्रेणी में आ रहे है।
रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला स्वास्थ्य, माताओं की देखभाल, धात्री माताएँ सहित अन्य लोग भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें रहे है।
महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर रूप से माताओं और बच्चों के पोषण आहार पर महत्वपूर्ण सलाह देता है,जिससे दवा के साथ स्वस्थ आहार के प्रति जागरूकता बढे।आंगनवाड़ी द्वारा वितरित किया जाने वाला टीएचआर का उपयोग कर विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से बच्चों में भोजन के प्रति रूचि बढ़ाई जाती है।
रेवा कैंप एक विशेष प्रयास है जिसमें स्वास्थ्य विभाग बीपी शुगर सिकलसेल, एनीमिया, आदि गंभीर रोगों की जाँच कर उनका उपचार कर रहा है। आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेदिक दवाएं दी जाती है। शिविर में सीईओ सीडीपीओ, डॉक्टर, पर्यवेक्षक, सीएचओ, सचिव, जीआरएस, कार्यकर्त्ता सहायिका आशा, पंचायत विभाग, राजस्व, कृषि, पीएचई और अन्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।
रेवा हेल्थ कैंप के माध्यम से कुपोषण की पहचान की जा रही है, जिसमें बच्चों के आयु के अनुसार उचित वृद्धि ना होना, उनमे पोषक तत्व की कमी को प्रदर्शित करता है, बच्चों को चिन्हित करने में बाद आंगनबाडी कार्यकर्त्ताओं द्वारा निरंतर फॉलोअप लिया जाता है।
रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला स्वास्थ्य, माताओं की देखभाल, धात्री माताएँ सहित अन्य लोग भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें रहे है। आयुष विभाग वात, पित्त और कफ में संतुलन बनाकर रोगियों का उपचार करता है, जिससे सम्बंधित बीमारियां पूरी तरह ठीक हो सके। महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर रूप से माताओं और बच्चों के पोषण आहार पर महत्वपूर्ण सलाह देता है, जिससे दवा के साथ स्वस्थ आहार के प्रति जागरूकता बढे। आंगनवाड़ी द्वारा वितरित किया जाने वाला टीएचआर का उपयोग कर विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से बच्चों में भोजन के प्रति रूचि बढ़ाई जाती है, साथ ही रेवा स्वास्थ्य कैंप में आये सभी लोगों को खिचड़ी का वितरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग बीपी शुगर आदि गंभीर रोगों की जाँच कर उनका उपचार कर रहा है। रेवा कैंप एक साँझा प्रयास है जिसमें सभी विभाग अपनी भूमिका निभा रहे है।

सांसद, विधायक के गृह नगर में समस्याओं की भरमार

जर्जर स्थिति मे बसनिहा नाले का पुल, कभी भी हो सकती है भयावह घटना

अनूपपुर।

राजेन्द्रग्राम से अमरकंटक मुख्य मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र नगरी अमरकंटक पहुंचते हैं। बारिश के मौसम में राजेंद्रग्राम लखौरा स्कूल के समीप स्थित बसनिहा नाला उफान पर आ जाता है और पुल के ऊपर से पानी बहने लगता है। इस वजह से इस मार्ग पर जल स्तर कम होने तक आवागमन थम जाता है। वाहनों की लंबी कतारें दोनों तरफ लग जाती हैं। बीते कई दशक से यह समस्या बनी हुई है। इसके बावजूद इस समस्या पर न तो विभागीय अधिकारी और न ही जनप्रतिनिधि संज्ञान ले रहे हैं। बारिश के दिनों में दूर दराज से पहुंचने वाले दर्शनार्थियों तथा श्रद्धालुओं के साथ ही जिले वासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के घर की दूरी इस पुल से 500 मीटर से भी कम है। शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह का घर भी यहीं है और इस समस्या से बारिश के दिनों में उन्हें भी आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ता है। बावजूद इसके इसे दूर करने के लिए किसी तरह के प्रयास अभी तक नहीं किए गए।

50 वर्ष पूर्व हुआ था निर्माण

बसनिहा निवासी जगतपाल ने बताया कि पुल को बने 50 से 55 वर्ष हो रहे हैं। बारिश के दिनों में अक्सर पुल पर बाढ़ की स्थिति बन जाती है। विभाग द्वारा इस समस्या को नजर अंदाज करते हुए जहां पुल की जरूरत नहीं है वहां निर्माण किया जा रहा है। पेट्रोल पंप के समीप बिना आवश्यकता के पुलिया का निर्माण कुछ व्यक्तियों की परेशानी को देखते हुए कर दिया गया लेकिन जहां क्षेत्र की पूरी आबादी की समस्या की बात है वहां विभाग ध्यान नहीं दे रहा है।

मुख्यालय से टूट जाता है गांवों का संपर्क

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के मौसम में पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के आधा सैकड़ा से अधिक ग्राम पंचायत का तहसील मुख्यालय से संपर्क कट जाता है। क्षेत्र के लोग राजेंद्रग्राम पर स्वास्थ्य, शिक्षा तथा दैनिक उपयोग की हर वस्तु के लिए आश्रित हैं। ऐसी स्थिति हो जाने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार तो जल स्तर कम होने में पूरा दिन बीत जाता है। बसनिहा पुल पर बाढ़ की स्थिति होने पर सबसे ज्यादा परेशानी छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ती है। कई घंटे तक जलस्तर कम न होने पर उन्हें वापस लौटना पड़ता है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित छात्र-छात्राओं की पढ़ाई होती है क्योंकि बारिश में ऐसी स्थिति बनी ही रहती है जिसको लेकर के शासन तथा प्रशासन को ध्यान देना चाहिए तथा समस्या को दूर किया जाना चाहिए। पूर्व में राजेंद्रग्राम में सड़क निर्माण के दौरान इस पुल का प्राक्कलन भी तैयार किया गया था लेकिन ज्यादा राशि हो जाने के कारण इसकी स्वीकृति नहीं मिल पाई। बारिश के दिनों में इस पुल पर बाढ़ की स्थिति बनी ही रहती है और इससे आवागमन बंद हो जाता है।

इनका कहना है

समस्या को दूर करने के लिए प्रयास करते हुए नया पुल निर्मित कराया जायेगा।

मुकेश बेले, प्रबंधक
एमपीआरडीसी

भाजपा ने मनाई डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय डिण्डौरी मे राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के पर्याय महान शिक्षाविद् प्रखर राष्ट्रवादी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जन्मजयंती के अवसर पर उनके तेलीय चित्र पर तिलक वंदन कर सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की। वरिष्ठ नेता अशोक अवधिया ने कहा कि भारत एवं कश्मीर को मिलाने के लिए वे लगातार प्रयासरत रहे तथा उनका कहना था कश्मीर मे परमिट नीति व दो विधान, दो प्रधान, एवं दो निशान जैसे देशविरोधी नीतियो का लगातार विरोध करते रहे। 23 जून 1953 को उनकी रहस्यमयी परिस्थितियों मे मृत्यु हो गई थी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अवध राज बिलैया ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रवाद की संस्कृति और अस्मिता के भाव को लेकर अपना कार्य प्रांरभ किया। उनके कृतित्व व व्यक्तित्व के कारण ही आज भाजपा 20 करोड़ सदस्य की विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है। आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हर क्षेत्र मे नेतृत्व कर रहे है उसमे कहीं न कहीं डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल जी की देन है। देश मे दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नही चलेगा का नारा लगाकर डॉ. मुखर्जी ने इन नारो के साथ जम्मू कश्मीर मे परमिट के नियम को नकारते हुए आंदोलन किया। मंच का संचालन मंडल महामंत्री भागीरथ व आभार रीतेश जैन ने व्यक्त ने किया। कार्यक्रम के पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ मॉ के नाम कार्यक्रम अंतर्गत मॉ शारदा टेकरी वार्ड नं. 01 में सभी पदाधिकारियों ने वृक्षारोपड़ किया। उक्त कार्यक्रम के दौरान जिला महामंत्री जयसिंह मरावी, सुशीला मार्को, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस,वरिष्ठ नेता वीरेंद्र बिहारी शुक्ला, मंडल अध्यक्ष राजेश्वर साहू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नरवदिया मरकाम, जिला सह मीडिया प्रभारी आशीष वैश्य, जिला सह संयोजक सोशल मीडिया अविनाश सिंह सैनी, राजेन्द्रपाल कुशराम, कुंवरिया मरावी, पार्षद रजनीश राय, रुपाली जैन, शत्रुघन पाराशर, गोवर्धन सरैया, हरिहर पाराशर, भीम अवधिया, बलराम राठौर, प्रशांत मिश्रा, पवन ठाकुर, रजनी श्रीवास सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्तागण मौजूद रहें।

आकांक्षी विकास कार्यक्रम के 6 पैरामीटर में शत-प्रतिशत परिपूर्णता को प्राप्त करें-जिपं. सीईओ

दिलाई आकांक्षी विकास कार्यक्रम के संपूर्णता अभियान की शपथ

अनुपपुर।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने कहा है कि भारत शासन द्वारा चलाया जा रहा आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम बहुत ही महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के पुष्पराजगढ़ ब्लॉक को चिन्हित किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पुष्पराजगढ़ विकासखंड के जनपद कार्यालय परिसर स्थित स्वसहायता समूह भवन में आयोजित आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में भारत सरकार के नीति आयोग के प्रतिनिधि दिनेश कटारिया, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती मिथलेश सिंह, जिला पंचायत सदस्य नर्मदा सिंह, जनपद पंचायत सदस्य देवकी सिंह, संगीता महोबिया, धर्मवती परस्ते, किरगी सरपंच अर्जुन सिंह परस्ते, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ सुधाकर सिंह बघेल, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ की प्रभारी सीईओ सुश्री ऊषा किरण गुप्ता, खण्ड पंचायत अधिकारी जागृत सिंह, सहायक कार्यक्रम अधिकारी वरुणेन्द्र सिंह, स्वच्छ भारत अभियान के समन्वयक पुष्पेन्द्र तिवारी, समग्र अधिकारी अग्निहोत्री सहित अन्य जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि, पत्रकार व बड़ी संख्या में जनपद क्षेत्र के मैदानी कार्यकर्ता व ग्रामीण महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने कहा कि जनपद पुष्पराजगढ़ में राज्य शासन के महात्वाकांक्षी आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों के संचालित 39 योजनाओं के क्रियान्वयन को भी प्राथमिकता में रखा गया है। उन्होंने कहा कि संपूर्णता अभियान का उद्देश्य गांवों में समग्र विकास को सुनिश्चित करना है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 7 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सर्पदंश से बालक की मौत

नरसिंहपुर । गत दिवस सर्प दंश से बालक मौत हो गई । पुलिस ने बताया कि अनिकेत पिता मनीष धानक उम्र 10 वर्ष निवासी खमरिया थाना स्टेशनगंज अपने घर के पास खेल रहा था तभी सर्प ने काट लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई । पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया ।

जहरीली वस्तु के सेवन से युवक की मौत

नरसिंहपुर । गत दिवस व्यक्ति द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवपन कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई । पुलिस ने बताया कि चन्चलेश पिता द्वारका डेहरिया उम्र 26 वर्ष निवासी अन्दोल थाना धनौरा जिला छिंदवाड़ा द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया ।

ड्यूटी के दौरान होमगार्ड सैनिक की मौत

नरसिंहपुर । विगत दिवस जिले में होमगार्ड लाइन क्यूआरटी मे तैनात एक सैनिक महेंद्र सिंह ठाकुर की हृदय गति रुक जाने के कारण निधन हो गया। सैनिक कार्यालय में अचानक गिर गए और जब उनको एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। यहां डॉक्टर ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया और जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महेंद्र ठाकुर कलेक्टर कार्यालय में ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक से गिरे और बेहोश हो गए। सहकर्मियों की मदद से उन्हें प्राइवेट अस्पताल चैकसे चिकित्सालय नरसिंहपुर में भर्ती किया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मेजर अटैक बताया और मृत घोषित कर दिया। घटना शुक्रवार दोपहर हुई जब सैनिक अपने कार्यालय में थे। सैनिक महेंद्र वर्ष 2006 से होमगार्ड में सेवा दे रहे थे। उनकी 48 वर्ष में सैनिक के परिवार में उनकी मां, पत्नी, एक बेटा, दो बेटियां हैं। उनका अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम उसरी जिला नरसिंहपुर में किया। जिला कमांडेंड टीआर चैहान ने बताया कि सैनिक की मृत्यु का कारण मेजर हार्ट अटैक है।

मारपीट करने वाले को सजा

नरसिंहपुर । न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रसन्न सिंह के न्यायालय द्वारा गाली गलौज कर मारपीट करने के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुये आरोपी अवलेश कुमार पटैल आत्मज छिकौड़ी लाल पटैल, उम्र-47 वर्ष, निवासी- मगरधा, थाना स्टेशनगंज, जिला नरसिंहपुर को धारा 323 भा.दं.सं. के अपराध में दोषसिद्ध पाते हुये 1000- रूपये का अर्थदंड एवं व्यतिक्रम में 01 माह का सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई।

वृक्षारोपण कर मनाई डॉ मुखर्जी की जन्म जयंती

नरसिंहपुर । गत दिवस डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती के अवसर पर पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व संगठन मंत्री शैलेन्द्र बरूआ व प्रदेश मंत्री केशव भदौरिया, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी व भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी.अभिलाष मिश्रा की विशेष उपस्थिति में जिला भाजपा कार्यालय प्रांगण में स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं.दीनदयाल उपाध्याय की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। तत्पश्चात शासकीय सर्किट हाउस परिसर में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत कदम व बादाम के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज, विनीत नेमा, नीलकमल जैन, कमल सिंह जाट, पूर्व युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विक्रांत पटैल, शिशिर चरण दुबे, जिलाध्यक्ष राव बहादुर सिंह लोधी, संतोष चैकसे, रोशन राजपूत, श्रीकांत श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, अभिषेक नेमा, रवि पुआरिया, मयंक जैन, अंशुल नेमा, सुनील प्रजापति, सुशील नेमा, अमन चैरसिया सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया गया पौधरोपण

विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ रोपे पौधे

गत दिवस एक पेड़ मां नाम अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिले में वृहद स्तर पर पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। इस अभियान में शासकीय अधिकारी- कर्मचारी, स्वयं सेवी संगठन, परिषद और आम नागरिक भी शामिल हो रहे हैं।

नरसिंहपुर।

इसी क्रम में नरसिंहपुर वृत के अंतर्गत विद्युत विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा पौधे लगाये गये। अभियान के तहत विभाग नीम, जामुन, आंवला, आम, अमरूद, अशोक, पाम आदि के 255 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वे प्रत्येक व्यक्ति एक- एक पौधा लगायेंगे। सभी अधिकारी- कर्मचारियों द्वारा एक-एक पौधा लगाकर उसे स्वयं सुरक्षित रखने का संकल्प लिया गया, ताकि पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने एवं जलवायु प्रदूषित न होने के साथ- साथ जल संरक्षण हो सके।

पौधों को सुरक्षित रखने का लिया संकल्प

कलेक्टर के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार के मार्गदर्शन सभी शासकीय अशासकीय विद्यालयों में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधों की सुरक्षा के संकल्प के साथ वृहद स्तर पर छायादार, फलदार पौधारोपण कर वायुदूत एप पर पंजीयन किया। पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करकबेल में एक पेड़ मां के नाम अभियान में प्राचार्य रघुवीर सिंह लोधी, प्राचार्य हाई स्कूल ठेमी गोविन्द बड़कुर, शाला परिवार एवं छात्र छात्राओं द्वारा वृहद स्तर पर छायादार, फलदार पौधों का विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। प्राचार्य द्वारा छात्र छात्राओं को उद्बोधन में कहा कि आइए धरती के लिए सब जुड़ जाएं, एक पौधा जरूर लगाएं के साथ अभियान में रोपित पौधों को जीवित रखने का संकल्प भी लिया। प्राचार्य गोविंद बडकुर ने छात्र छात्राओं को पौधों के पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में अहम भूमिका के साथ औषधीय गुणों के महत्व की जानकारी दी। उक्त अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के सदस्य सहित शाला परिवार से बी एस मेहरा, शोभाराम चढ़ार, केदार सिंह झरिया, महेंद्र सिंह पटेल, प्रकाश चंद्र नेमा,समस्त स्टाफ सहित छात्र छात्राओं की सहभागिता रही।

फलदार पौधों का किया रोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद के तत्वाधान में नवांकुर संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति डोंगरगांव, वशिष्ठ शिक्षण प्रशिक्षण एवं सेवा समिति के प्रयास से समिति के सदस्यों द्वारा गोकुल प्रसाद पटेल के खेत में आम, जामुन, नीबू, अशोक एवं कटहल के पौधों का रोपण किया गया। रोपे गये सभी पौधों को अंकुर अभियान के अंतर्गत वायुदूत एप पर अपलोड किया गया। पौधारोपण के पश्चात मप्र अभियान परिषद के जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधों के निरन्तर रोपण तथा उनकी सुरक्षा व देखभाल करने की शपथ दिलाई गई। पौधारोपण के इस अभियान के तहत सम्पूर्ण जिले में परिषद की नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र- छात्राओं के माध्यम से निरंतर दो माह अभियान चलाकर प्रति परिवार कम से कम एक पौधों के रोपण का लक्ष्य लेकर जिले में 60 हजार पौधों को रोपित करने का लक्ष्य लिया गया है। इस दौरान जनप्रतिनिधि, प्रधानपाठक, आंगनबाड़ी, समूह की महिलायें और आम नागरिक मौजूद थे। निरंतर पौधरोपण करने और उनकी सुरक्षा व देखभाल करने की शपथ भी दिलाई गई।

रोपे गये औषधीय पौधे

एक पौधा माँ के नाम हम जियें , हमारी आने वाली पीढियां जीती रहें, यह हमारी माँ और धरती माँ के आशीष के बिना संभव नहीं अतः एक पौधा माँ के नाम की मुहिम को गति प्रदान करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुराछ में विद्यालय परिवार द्वारा सम्मान ही नहीं श्रद्धा व पूजा के पात्र पीपल , बेलपत्र , गुलतर्रा , आंवला , अशोक आदि पौधों का रोपण किया गया । हर किस्म के पेड़ों की पूजा उनके औषधीय स्वरूप , उनका ग्रह नक्षत्रों के साथ जुड़ाव एक बहुत बड़ा योगदान है इन मूक वृक्षों का हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने का आइए हम सभी इन जीवनदायिनी शक्तियों को सुरक्षित रखने के लिए संकल्पित हों की भावना के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया।

एनसीसी शिविर में रैली निकालकर दिया प्रशिक्षण

नरसिंहपुर । झोंतेश्वर मे आयोजित एनसीसी कैंप के दौरान होमगार्ड डिस्ट्रिक्ट कमान्डेट टी. आर. चैहान द्वारा आपदा प्रबंधन के डेगो एंव व्याख्यान के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण दिया गया। उक्त कैंप 1 म प्र बटालियन एनसीसी जबलपुर के कमान अधिकारी कर्नल विवेक भटारा के नेतृत्व मे किया जा रहा है। कमांडेंट श्री चैहान ने कहा कि आपदा प्रबंधन एक कौशल है, जिसमें ऐसे उपाय किये जाना चाहिये जिसमें खतरा आपदा का रूप न ले सकें। होमगार्ड डिर्पाटमेंट के प्लाटून कमान्डर वीरेन्द्र सूर्यवंशी एंव ट्रेनर हवलदार सुन्दर सहित एस. टी. आर एफ. की टीम द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव के हेतु स्वनिर्मित उपकरणों का डेमो दिया गया। डिप्टी कैम्प कमान्डेंट कर्नल समीर बोडस द्वारा कमांडेन्ट चैहान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कैम्प एडजूडेन्ट मेजर डॉ पराग नेगा की जानकारी अनुसार थल सेना कैम्प जेसीओ सूबेदार विनोद गाड़गे एव कैडिट्स द्वारा फील्ड सिग्नल एव टेन्ट पिचिंग का डेमा दिया गया। इसके पूर्व प्रात. मन्दिर परेड में कैडिट्स ने देवी राजराजेश्वरी के दर्शन कर आध्यात्मिक चेतना का अनुभव किया। अंगले चरण में पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर पेंटिग प्रतियोगिता में कैडिट्स ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। खेल के मैदान में खो-खो एंव टग ऑफ वार की टीमस ने कांटे के मुकाबले में तालिया बटौरी। दैनिक व्याख्यान की श्रंखला में केप्टन अमित यादव द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान दिया गया। मेजर कमलेश मेहरा ले. दिव्यां पाराशर चीफ अफिसर याकूफ शेख, थर्ड अफिसर एन. पी गुप्ता थर्ड अफिसर अनुराग दुबे, थर्ड अफिसर भोले रजक, थर्ड ऑफिसर मनोज जैन, और थर्ड अफिसर श्रवन कुमार ठाकुर सहित सूबेदार मेजर लेखराज ठाकुर एव पी आई स्टाफ द्वारा एल्यूमिनाई एशोसिएशन एंव डिजीटल फोरम राजिस्ट्रेशन की दिशा में सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं।

विविध साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन

नरसिंहपुर।

गत दिवस सिविल न्यायालय तेन्दूखेड़ा की तहसील विधिक सेवा समिति, तेंदूखेड़ा द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर कमल जाशी के आदेशानुसार एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर वैभव कुमार सक्सैना के निर्देशानुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तहसील तेंदूखेड़ा, में बाल संवर्धन एवं संरक्षण अभियान के अंतर्गत एक विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायिक मजिस्ट्रेट अरविंद मीणा, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रचार्य प्रवेश पटैल, वरिष्ठ अध्यापक रजनीष जैन एवं शाला के समस्त शिक्षकगण, न्यायालयीन कर्मचारीगण एवं समस्त छात्राएं उपस्थित रहीं। आयोजित शिविर में तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा के अध्यक्ष न्यायिक मजिस्ट्रेट अरविंद मीणा, द्वारा शिविर में उपस्थित समस्त छात्राओं को नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015, के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई एवं छात्राओं को उनके मूल अधिकारों के विषय में सजग करते हुए उन्हें, जागरूक किया गया। साथ ही कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को उनके लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु शुभकामनाओं सहित निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम उपरांत न्यायिक मजिस्ट्रेट अरविंद मीणा एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण एवं उपस्थित अध्यापकों सहित छात्राओं द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह आयोजित

नरसिंहपुर।

मध्यप्रदेश उच्चशिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्र छात्राओं को नए परिवेश में सहज महसूस कराने संस्थान की प्रकृति तथा संस्कृति को सिखाने एवं अन्य छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ परिचय के उद्देशय से आदर्श शिक्षण समिति द्वारा संचालित महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ यू एस परमार ने नव प्रवेशित छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कार्य के प्रति लगन, ईमानदारी, अनुशासन में रहते हुए लक्ष्य प्राप्त करने का सबसे बड़ा मंत्र है महाविद्यालय उप प्राचार्य डॉ ए के वाजपेयी ने दीक्षारंभ का महत्व बताते हुए सभी विद्यार्थियों से अपने कैरियर के प्रति जागरूक रहने एवं अवगुणों से बचते हुए ज्ञान अर्जित करने के लिए अभिप्रेरित किया नई शिक्षा नीति नोडल अधिकारी डॉ पी के खरे ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला प्रवेश समिति के संयोजक डॉ एस के चैबे ने व्यवसायिक पाठ्यक्रम के बारे में छात्र छात्राओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की महाविद्यालय के नव प्रवेशित छात्र छात्राओं को महाविद्यालय की जिम, पुस्तकालय, प्रयोगशाला एवं सम्पूर्ण परिषर का भ्रमण कराया साथ ही महाविद्यालय परिषर में वृक्षारोपण किया गया इस कार्यक्रम का मंच संचालन महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक प्रदीप दुबे एवं आभार महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ पंकज नेमा ने किया इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एवं नव प्रवेशित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

वन रोपणी में 70 पौधे का हुआ रोपण

तेंदूखेड़ा

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत तेंदूखेड़ा क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर बड़ी संख्या में पौधारोपण किया गया इसी सिलसिले में वन विभाग द्वारा वन रौपणी केंद्र में लगभग 70से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधौं का रोपण न्यायायिक मजिस्ट्रेट माननीय श्री अरविन्द मीणा एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संघमित्रा गौतम तथा डिप्टी रेंजर सहित वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सर्वोदय विद्यालय में हुआ वृक्षारोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगर के प्रतिष्ठित सर्वोदय विद्यालय परिसर में प्राचार्य कमल कुमार शास्त्री के साथ साथ विद्यालय परिवार शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधौं का रोपण किया गया।

छत्तरपुर में भी रोपे गये पौधे

शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला छत्तरपुर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। जिसमें शिक्षकों और छात्रों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया शिक्षकों ने बच्चों को पर्यावरण का महत्व बताते हुए मिलकर पर्यावरण संरक्षण का आव्हान किया गया। इस मौके पर आम, जामुन, आँवला, मुनगा सहित 11 पौधे रोपे। शिक्षकों ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों के महत्व के बारे में बताया। कहा कि आप पर्यावरण की चिंता करेंगे, पौधे लगाएंगे तो प्रकृति भी आपकी चिंता करेगी। प्रधानपाठक प्रहलादसिंह पटैल ने बताया कि आज हमने स्कूल मे आम, जामुन, आँवला, मुनगा आदि के पौधे लगाए गए। हमने अभियान के तहत पौधे रोपकर बच्चों के साथ सभी से पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया है। यह छोटा सा कार्य जलवायु परिवर्तन से निपटने, प्रदूषण को कम करने और हमारे आस-पास के वातावरण को हरा-भरा बनाने में मददगार हो सकता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाना चाहिए । ग्राम पंचायत के सरपंच भरत पटैल, ने मंगल भवन परिसर एवं मुक्तिधाम परिसर में विद्यार्थियों एवं शिक्षक के साथ मिलकर 50 पौधे लगाने का संकल्प पूरा किया। वहीं आगे भी सरपंच एवं स्कूल के प्राचार्य, विद्यार्थी और शिक्षक द्वारा मिलकर के पूरे 100 पौधे लगाएं जाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक चैधरी दीपसिंह, पंकज पटैल, अंजली तिवारी,एवं सरपंच भरत पटैल, सचिव बृजेश पटैल, अरविन्द जाटव, उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय की छात्रा का कलेक्टर ने किया सम्मान

नरसिंहपुर। केंद्रीय विद्यालय में अध्यनरत भूमि राजपूत ने वर्ष 2022-23 की परीक्षा कक्षा दसवीं मैं ऑल इंडिया कंपटीशन सीबीएसई की परीक्षा में 1.50 प्रतिशत अंक लाकर भारत की मेरिट लिस्ट में स्थान बनाया। केंद्र सरकार के द्वारा मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने सभी जिला कलेक्टर को निर्देशित करने के उपरांत विगत दिवस नरसिंहपुर कलेक्टर शीतला पटले द्वारा केंद्रीय विद्यालय के मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित किया। नरसिंहपुर निवासी पिता पूरन सिंह राजपूत माता श्रीमती रंजीता राजपूत की पुत्री भूमि राजपूत के द्वारा सीबीएसई हाई स्कूल परीक्षा में 95. 40: अंक प्राप्त कर विद्यालय तथा संपूर्ण जिले को गौरवानित किया कलेक्टर द्वारा भूमि राजपूत को प्रशस्ति पत्र के साथ 5000 की राशि देकर सम्मानित किया तथा भूमि को अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस लगन मेहनत से यह सम्मान प्राप्त किया है वैसे ही मेहनत आगे करने से अनेको ऊंचाइयां प्राप्त कर सकते हो। सभी परिवार के सदस्यों शुभचिंतकों के द्वारा भूमि के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाइयां प्रेषित की है।